>

Title: Need to extend tax concessions to mustard oil factories in Bharatpur Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री रतन सिंह (भरतपुर): श्री रतन सिंह (भरतपुर) : मेरे संसदीय क्षेत्र भरतपुर में पूर्व से सरसों के तेल की बहुत फैक्ट्रीज कार्यरत रही हैं। भरतपुर और इससे लगे हुए अलवर, करौली, मथुरा जिले में सरसों की फसल अच्छी गुणवत्ता एवं बहुतायत होती है जिसके कारण भरतपुर में सरसों के तेल की बहुत फैक्ट्रीज कार्यरत थी तथा सरसों के तेल की आपूर्ति अन्य राज्यों को भी करती रही है। सरसों की फसल के उत्पादन से यहां के किसानों की आर्थिक स्थिति अन्य क्षेत्रों की तुलना में अच्छी रही है। वर्तमान में तेल मिलों पर करों की भरमार हुई है जिससे यहां पर कार्यरत सरसों के तेल की मिल्स धीरे धीरे कम होती जा रही है। कई फैक्ट्रीज तो बंद हो गयी हैं। किसानों को मिलने वाली आय और रोजगार की हानि हो रही है। मानव जीवन में सरसों का महत्व लाभप्रद तेल होने के कारण प्रतिदिन बढ़ रहा है। अतः मांग के अनुरूप आपूर्ति करनी चाहिए।जो फैक्ट्रीज बंद हो गयी हैं उन्हें चालू कराने के लिए अनुदान और करों में रियायत का लाभ दिलाना चाहिए जिससे किसान अधिक से अधिक सरसों जैसी व्यापारिक फसलों का उत्पादन कर आर्थिक स्थिति को सुधार सके। सरसों उत्पादन में सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता अन्य फसलों की तुलना में कम होती है जिससे भू–गर्भीय एवं सतही जल की सिंचाई की तुलना में पानी की बहुत बचत होगी जो वर्तमान की आवश्यकता भी है। कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा।

सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र भरतपुर में सरसों के तेल उत्पादन की फैक्ट्रीज को बढ़ावा दिया जाये और बंद फैक्ट्रीज को शीघ्र कार्यरत कराया जाये।